दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 306 ■ दमण, शुक्रवार 29 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन और संघ प्रदेश में 9 साल पूरे होने पर जनप्रतिनिधियों, राजनेताओं, उद्योग एवं संस्थाओं के अग्रणियों ने दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश श्रीडी और लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल को उनके 69वें जन्मदिन एवं संघ प्रदेश में प्रशासक के रूप में 9 वर्ष सफलतम् कार्यकाल के लिए आज प्रदेश के सभी अग्रणियों ने सचिवालय पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए बधाईयां दी। सुबह से ही सचिवालय में प्रशासक प्रफुल पटेल को अभिवादन करने वालों का पहुंचना शुरू हो गया था। यह सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। बधाई देनेवालों में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के सरपंचों एवं उपसरपंचों, जिला पंचायत प्रमुखों एवं उपप्रमुखों, जिला पंचायत सदस्यों, म्युनिसिपल काउंसिल के प्रेसिडेंटों एवं वाइस प्रेसिडेंटों, काउंसिलरों, उद्योग संघों के पदाधिकारियों और उद्योगजगत के नामी उद्योगपतियों, भाजपा के प्रमुख, महामंत्री सहित के पदाधिकारियों, डीडीए के चेयरमैन और उनके साथियों, स्कूल-कॉलेजों के छात्रों, युवाओं, महिलाओं सहित सामाजिक अग्रणी शामिल रहे। पिछले 9 वर्ष में प्रदेश में हुए अद्भुत विकास के लिए सभी ने प्रशासक प्रफुल पटेल का आभार जताया। बधाई देनेवाले सभी लोगों को प्रशासक प्रफुल पटेल ने धन्यवाद दिया।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और 9 साल के कार्यकाल को भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने विभिन्न सेवाकीय कार्यों के साथ बनाया यादगार

■ संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की विशेष उपस्थिति में भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने किए सेवाकीय कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और संघ प्रदेश में प्रशासक के रूप में 9 साल सफलतम् कार्यकाल पूरा होने पर प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की विशेष उपस्थिति में प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने विभिन्न सेवाकीय कार्य किए। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल और घेलवाड सरपंच हिताक्षी पटेल ने छोटे बच्चों के साथ केक काटकर प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर स्मीरा जिग्नेश पटेल एवं प्रांशी जिग्नेश पटेल भी मौजूद रही। आंगणवाडी और मजदूरों की चाल में रहने वाले बच्चों को भोजन कराया। साथ ही गरीबों को राशन किट का वितरण, सडक सुरक्षा जागरुकता अंतर्गत महिला एवं पुरुषों को हेलमेट वितरण, विकलांगों को व्हीलचेयर वितरण, मजदूरों की साइकिल में रिफलेक्टर लगाने सहित के सेवा कार्य किए गए। भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल की माताश्री चंचलबेन पटेल ने राशन किट वितरित किया। वहीं प्रशासक प्रफुल पटेल को जन्मदिन की शुभकामना देते हुए और प्रशासक के रूप में सफलतम् 9 साल पूरा करने के बडे-बडे बैनर और कटआउट भी प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने लगाये थे।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और 9 वर्ष का सफलतम् कार्यकाल पूरा होने पर दानह जिले में विभिन्न सेवाकीय कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 28 अगस्त।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के 69वें जन्मदिन और संघ प्रदेश में प्रशासक के रूप में 9 वर्ष का सफलतम् कार्यकाल पूरा होने पर दादरा नगर हवेली जिले में विभिन्न सेवाकीय आयोजन किया गया। संघ प्रदेश के विकास के 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास की उपलब्धियों के उपलक्ष्य में जिले में विभिन्न स्थानों पर अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से औद्योगिक एकाईओ में रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, सनातन टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, केएलजे प्लास्टिसाइज़र लिमिटेड, भिलोसा इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड तथा टीसीपीएल पैकेजिंग लिमिटेड ने श्रमिकों के लिए विकास डिश (भोजन पैकेट) एवं राशन किट का वितरण किया। होटल एसोसिएशन द्वारा पर्यटकों के लिए 28 एवं 29 अगस्त को दादरा एवं नगर हवेली के विभिन्न होटलों/रेस्टोरेंटों में 9% की छूट दी गई है। सिलवासा नगरपालिका एवं ग्राम पंचायतों के सफाई कर्मचारियों के लिए टी-शर्ट एवं महिलाओं के लिए साड़ी तथा सभी के लिए टिफिन बॉक्स का वितरण किया गया। दादरा नगर हवेली के प्रमुख आवासीय सोसाइटी में समाजसेवी अग्रणियों द्वारा महायज्ञ एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दादरा नगर हवेली के सभी प्रमुख मंदिरों में पूर्व सांसदों एवं समाजसेवी अग्रणियों द्वारा पूजा एवं हवन का आयोजन किया गया। विकास रथ के माध्यम से विभिन्न 9 वर्षों की विकास यात्रा का प्रदर्शन किया गया एवं सभी ग्राम पंचायतों तथा नगर क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिले के प्रमुख स्थानों पर विकास कार्यों पर आधारित होर्डिंग्स लगाए गए तथा कला केंद्र पर रेडक्रॉस सोसाइटी सिलवासा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ-चढकर हिस्सा लिया और रक्तदान किया। दादरा नगर हवेली के विविध आंगणवाड़ी केन्द्रों में सुखड़ी / लड्डू / केला एवं राशन किट का वितरण किया गया। नमो अस्पताल सिलवासा एवं उपजिला अस्पताल खानवेल में मरीजों को पौष्टिक फलों का वितरण किया गया। दादरा नगर हवेली के सभी स्कूलों में स्वच्छता अभियान चलाया गया, सरकारी एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में रंगोली प्रतियोगिता आयोजन किया गया तथा मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज तथा जीएनएलयू कॉलेज के छात्रों द्वारा शुभकामना पत्र तैयार किए गए। दादरा नगर हवेली के खानवेल-खेड़पा रोड पर युवाओं द्वारा बाइक एवं कार रैली का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने बढ-चढकर हिस्सा लिया। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी दिव्यांगजन विद्यालय सिलवासा में तिथि भोजन का आयोजन किया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं समाज सेवी अग्रणियों द्वारा गौशाला में गौ सेवा की गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से दादरा नगर हवेली में समाज के प्रत्येक वर्ग को 9 वर्षों का विश्वास, निरंतर विकास यात्रा से जोड़ने एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

SINCE 2005

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

● दमण, शुक्रवार 29 अगस्त 2025,

पेज-3-6

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन एवं संघ प्रदेश थ्रीडी में 9 साल के सफलतम् कार्यकाल को प्रदेशवासियों ने सेवा संकल्प के साथ उत्सव की तरह मनाया

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगलः क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

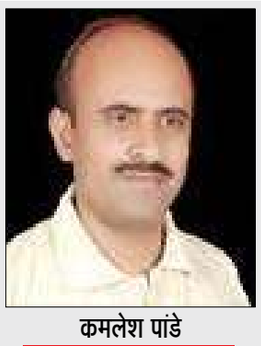

कमलेश पांडे

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी 'रूस-चीन-भारत' के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और

चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी। आज जिस तरह से अरब मुल्कों पर वर्चस्व को लेकर, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्चस्व को लेकर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व को लेकर, हिन्द महासागर में वर्चस्व को लेकर, यूक्रेन में वर्चस्व को लॉकर, तिब्बत पर वर्चस्व को लेकर, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में वर्चस्व को लेकर अमेरिका-यूरोप और रूस-चीन के बीच तलवारें खींची रहती हैं, शह-मात के खेल चलते रहते हैं, उसके दृष्टिगत अब भारत का साथ रूस-चीन को मिलने के संकेत भर से अमेरिका और उसके यूरोपीय समर्थक देशों की परेशानी बढ़ गई है।

समझा जाता है कि अब रूस-भारत-चीन का प्रस्तावित त्रिकोण ही अमेरिका-यूरोप के देशों को उनकी लक्ष्मण रेखा बताएगा, ताकि एशिया-यूरोप में हथियार व गोला-बारूद खपाने को लेकर उनकी जो शातिर व भड़काऊ नीतियां हैं, वह बदली जा सकें। इस बारे में अब नए सिरे से उन्हें समझना होगा और जब वे समझने की कोशिश नहीं करेंगे तो फिर उसकी काट भी निकालनी होगी।

दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ जब चीनी विदेश मंत्री वांग यी की बातचीत हुई थी तो इसी क्रम में ह्यएक-चीनह्ल नीति से संबंधित बात भी उठी थी। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री ने दावा किया कि भारत ने ताइवान को चीन का अंग मान लिया है। फिर भारत के विदेश मंत्री ने उनकी कथित टिप्पणियों पर अपना स्पष्टीकरण दिया। इस पर चीन ने ह्यआश्चर्यह्ल व्यक्त किया है। क्योंकि भारत ने कहा था कि ताईवान पर उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और उसके साथ नयी दिल्ली के संबंध आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित हैं।

मैं समझता हूं कि जयशंकर ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि अभी तो मित्रता की पुनः शुरूआत हो रही है, जिसकी अग्नि परीक्षा अभी बाकी है। और फिर जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पीओके, नेपाल, भूटान, तिब्बत, अरुणाचल प्रदेश, बंगलादेश, म्यांमार, श्रीलंका, मालदीव से जुड़े मामलों पर जब चीन के स्टैंड भारत के हितों के अनुकूल होंगे तो भारत भी उनके हितों का ख्याल रखेगा।

यही वजह है कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि, ह्यहमें भारत के स्पष्टीकरण से हैरान हैंह्ल वह जयशंकर की टिप्पणियों यानी भारत के स्पष्टीकरण की खबरों पर चीन के आधिकारिक मीडिया के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। दरअसल, यह स्पष्टीकरण भी तब आया जब चीनी विदेश मंत्रालय ने वांग के साथ बातचीत के दौरान जयशंकर के बयान को गलत तरीके से उद्धृत करते हुए कहा था कि ताईवान चीन का हिस्सा है।

चीनी प्रवक्ता ने दावा किया कि बीजिंग इस स्पष्टीकरण को ह्यतथ्यों के साथ असंगतह्ल पाता है। ऐसा लगता है कि भारत में कुछ लोगों ने ताईवान के मुद्दे पर चीन की संप्रभुता को कमजोर करने और चीन-भारत संबंधों में सुधार को बाधित करने की कोशिश की है। चीन इस पर गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसका कड़ा विरोध करता है। इसलिए मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि दुनिया में सिर्फ.एक ही चीन है और ताईवान चीन के भूभाग का एक अविभाज्य हिस्सा है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय में इस पर व्यापक सहमति है। चीन को उम्मीद है कि भारत ह्यएक-चीनह्ल के सिद्धांत का गंभीरता से पालन करेगा, संवेदनशील मुद्दों को उचित ढंग से संभालेगा और द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देगा।

उल्लेखनीय है कि अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे वांग ने गत 18 अगस्त 2025 को जयशंकर के साथ बातचीत में यह मुद्दा उठाया था, जिसके बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चीनी पक्ष ने ताइवान का मुद्दा उठाया था। लेकिन भारतीय पक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे पर उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उसने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह, भारत का ताईवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित रिश्ता है और यह आगे भी जारी रहेगा। भारतीय पक्ष ने कहा कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान के साथ सहयोग करता है।

उल्लेखनीय है कि अतीत में भी, भारत ने ह्यएक-चीनह्ल नीति का समर्थन किया था, लेकिन 2011 के बाद से किसी भी द्विपक्षीय दस्तावेज में इस नीति को शामिल नहीं किया गया है। जबकि चीन ने अक्सर भारत से 'एक-चीन' नीति का पालन करने का आग्रह किया है। यद्यपि भारत और ताईवान के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, फिर भी उनके द्विपक्षीय व्यापार संबंध लगातार बढ़ रहे हैं।

संपादकीय

भारत पर टैरिफ बम

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़.रहा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सराफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है। इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सर्वोपरि हैं। भारत, अमेरिका को 79 अरब डॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है। दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है। जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

राष्ट्रीय खेल दिवसः ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद

राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को ह्यराष्ट्रीय खेल दिवसह्ल घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

उर्दूः समान तासीर है हिन्दी-उर्दू की

विवेक शुक्ला

इधर देखने में आ रहा है कि अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं। बीते दिनों पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में रोशन भविष्य है। यह एक भाषा होने के साथ-साथ, तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है, और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें।

यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है। अगर बात हिन्दी और उर्दू के संबंधों की करें तो हिन्दी और उर्दू, दोनों ही हिन्दुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। दोनों व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे की पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिन्दी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग। हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखा। हिन्दी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। विभाजन और पाकिस्तान बनने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जो गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग शामिल हैं। क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि मोदी सरकार ने उर्दू से जुड़ी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास और सब का प्रयास' से जोड़ा है जिसका जीता जगता उदाहरण नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम-उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत 2047-था।

देखिए, उर्दू भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनमोल रत्न है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी है और इसके लोगों के दिलों में बसी है। यह भाषा न केवल शब्दों का समूह है, बल्कि ऐसी सांस्कृतिक धारा भी है जो विभिन्न समुदायों को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में बांधती है। उर्दू की मधुरता, शायरी, गजलें और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है। उर्दू का जन्म भारत की मिट्टी में हुआ, और यह संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिन्दवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। समय के साथ, उर्दू ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और आज भारत की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दर्शाता है।

उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। उर्दू ने हमेशा से सभी को गले लगाया है, और इसे हिन्दुस्तान के हर कोने में प्रेम मिला है। चाहे उत्तर प्रदेश की गलियों में गूंजती गजलें हों, हैदराबाद की दक्कनी उर्दू हो, या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के साहित्यिक समारोह हों, उर्दू हर जगह अपनी छाप छोड़ती है। इसकी शायरी और साहित्य में वह जादू है, जो सुनने वाले को भावनाओं के सागर में डुबो देता है। मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है। उर्दू को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई संस्थान और संगठन

काम कर रहे हैं। उर्दू अकादमियां, साहित्यिक समारोह और स्कूलों में उर्दू की पढ़ाई इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखने में योगदान दे रही हैं। ईमानदारी की बात तो यह है कि जहां-जहां कोई उर्दू बोलता है, वहां-वहां हिन्दुस्तान बोलता है। राजा राम मोहन रॉय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मुरली मनोहर जोशी आदि सभी मदरसों के छात्र रहे हैं। उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए 'चमन', 'गुलजार', ह्यगुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है। हां, अब उर्दू के दोस्तों और दुश्मनों की पहचान करना लाजिमी है।

दमण न्यायालय ने धोखाधड़ी के मामले में दोषी को 2 साल की कठोर कारावास और 14 लाख के अर्थदंड की सुनाई सजा, पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। दमण न्यायालय में 12 साल से चल रहे एक धोखाधड़ी के मामले की सुनवाई के बाद सीजेएम श्रीमती प्रणिता पी. भारस्कडे वाघ ने आरोपी ललित सोनी और विनोद सोनी को दोषी मानते हुए उन्हें 2 साल का कठोर कारावास तथा 14 लाख रूपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह राशि पीड़ितों को मुआवजे के रूप में दी जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नानी दमण पुलिस थाने में 21 जनवरी 2013 को पीड़ित दुरबीन शांति पटेल निवासी धोबी तालाब नानी दमण ने आरोपी ललित सोनी और विनोद निवासी नवी ओरी नानी दमण के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि ललित सोनी और विनोद सोनी ने एक गोल्ड की स्कीम के तहत हरेक व्यक्ति से 3 हजार रूपए 20 माह तक लिया और बदले में 90 हजार रूपए या 21 ग्राम सोना देने का वादा किया। लेकिन आरोपियों ने इस योजना के तहत कई लोगों को धोखा देकर पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। पुलिस ने इस मामले में कार्यवाही करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 420 एवं 406 के तहत मामला दर्ज कर 21 जनवरी 2013 को आरोपी ललित और विनोद को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 70 हजार रूपए भी जप्त किए थे। मामले के जांच अधिकारी ए. ए. डायस ने 22 मार्च 2013 को न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया। 28 अगस्त को मामले में सुनवाई करते हुए करीब 16 गवाहों के बयानों को ध्यान में रखते हुए दमण की सीजेएम श्रीमती प्रणिता पी. भारस्कडे वाघ ने आरोपी ललित सोनी और विनोद सोनी को धोखाधड़ी का दोषी माना तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 406 एवं 420 के तहत 2 साल का कठोर कारावास और 14 लाख रूपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। इस मामले में एपीपी श्रीराम देशपांडे ने सरकार की ओर से पैरवी की। उल्लेखनीय है कि इस मामले में अर्थदंड में मिलने वाली 14 लाख रूपए की राशि में से पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा तथा बचा हुआ पैसा और जप्त राशि 70 हजार रूपए सरकारी खजाने में जमा करवा दिया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत संघ प्रदेश के तीनों जिलों में खेल स्पर्धाओं का उत्साहपूर्वक हुआ शुभारंभ

■ पहले दिन 810 खिलाड़ियों ने लिया कबड्डी प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया स्वप्न को साकार करने हेतु 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन पूरे देशभर में किया जा रहा है। इस अवसर का उद्देश्य नागरिकों को शारीरिक रूप से स्वस्थ और तंदरुस्ती के प्रति जागरूक बनाना है। इस कड़ी में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। कबड्डी, टग ऑफ वॉर, खो-खो, योगा, मल्लखंभ और इंडियन राउंड आर्चरी जैसे खेलों के साथ-साथ हैप्पी बीच-खेल के सितारे समंदर के किनारे, एक घंटा खेल के मैदान में, हाफ मैराथन और संडे ऑन साइकिल जैसे नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन को खेलों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया जा रहा है। हैप्पी बीच कार्यक्रम के अंतर्गत दमण में 29 अगस्त को टग ऑफ वॉर और योगा स्पर्धा तथा 31 अगस्त को हाफ मैराथन का आयोजन लाइट हाउस बीच, मोटी दमण पर किया जाएगा। जबकि दीव के घोघला बीच पर 29 अगस्त को टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इन समुद्र तट खेलों का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को मनोरंजन, फिटनेस और साहसिक अनुभव प्रदान करते हुए स्वस्थ और सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस खेल महोत्सव के पहले दिन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। जिसमें दमण में 360, दादरा नगर हवेली में 300 और दीव में 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। दमण जिले में पुरुष ओपन वर्ग में डीवी वॉरियर्स विजेता और श्रीनाथजी उपविजेता रहे। जबकि महिला ओपन वर्ग में डीवी वॉरियर्स ने दमण पैंथर्स को हराकर खिताब जीता। अंडर-17 बालिका वर्ग में सीजीपीएस विजेता और वात्सल्य स्कूल उपविजेता रहे। दादरा नगर हवेली में पुरुष ओपन वर्ग में चेरी पलटन विजेता और शिव टीम उपविजेता, महिला ओपन वर्ग में सेंट जेवियर्स विजेता और शिव प्रकाश उपविजेता रहे। अंडर-17 बालिका वर्ग में टोकरखाडा स्कूल ने बाजी मारी, जबकि सेंट जेवियर्स उपविजेता रहे। अंडर-17 बालक वर्ग में शिव टीम विजेता और अंबिका पार्क उपविजेता रहे। दीव जिले में पुरुष ओपन वर्ग में पावर रेंजर विजेता और फिट वॉरियर्स उपविजेता रहे, महिला ओपन वर्ग में सासन सिंबा विजेता और घोघला स्कूल उपविजेता रहे। अंडर-17 बालिका वर्ग में वनाकबारा स्कूल विजेता बना, वहीं अंडर-17 बालक वर्ग में घोंघला स्कूल विजेता और बूचरवाडा स्कूल उपविजेता रहा एवं दीव जिले के उपसमहर्ता शिवम मिश्रा ने उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रशासन आमजन से अपील करता है कि वे 28 से 31 अगस्त 2025 के दौरान श्रीडी संघ प्रदेश में आयोजित होनेवाले इन खेल आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और खुद को फिट रखकर देश को फिट रखने की दिशा में एकजुट होकर योगदान दें। अधिक जानकारी के लिए देवराज सिंह राठौड़ (दमण) : 7698380585, महेश पटेल (दादरा नगर हवेली): 9979627324 जे. डी. काकवा (दादरा नगर हवेली): 9824689711 एवं नानजी जेठवा (दीव): 9898382855 को संपर्क करे।

परिवहन विभाग ने शुरु की फेसलेस लर्नर लाइसेंस टेस्ट की सुविधा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश श्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व तथा प्रभावी मार्गदर्शन में प्रदेश में डि-जिटलीकरण के क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन नए-नए कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में संघ प्रदेश के परिवहन सचिव निखिल देसाई के अथक प्रयास तथा निदेशक-सह-संयुक्त सचिव आशीष मोहन के निर्देशन में परिवहन विभाग द्वारा एक नई पहल की गई है। आज से परिवहन विभाग द्वारा फेसलेस लर्नर लाइसेंस टेस्ट की सुविधा प्रारंभ की जा रही है, जिसके अंतर्गत आवेदक को लर्नर लाइसेंस टेस्ट देने के लिए आरटीओ कार्यालय में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। यह टेस्ट पूरी तरह ऑनलाइन होगा, जिससे लोगों के समय और आरटीओ कार्यालय तक आने-जाने में होने वाले खर्च, दोनों की बचत होगी। इसके साथ ही लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम बनेगी। इस सेवा के आरंभ होने से प्रत्येक लर्नर लाइसेंस धारक की तत्काल पहचान भी सुनिश्चित हो सकेगी और उन्हें तुरंत उनकी अपेक्षित सेवा का लाभ भी मिल सकेगा।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव
लोक निर्माण विभाग - दमन
निविदा आमंत्रण सूचना
एडवेंचर पार्क, जम्पिंग, मोटी दमन में खेल गतिविधि का डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव। (तीसरा कॉल)
टेंडर आईडी नंबर : 2025_DAMAN_4425_1
प्रीबिड मीटिंग की तारीख : 30/08/2025
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 10/09/2025
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 10/09/2025
बोली खुलने की तिथि : 10/09/2025
For details please scan https://ddtenders.gov.in
कार्यपालक अभियंता, लो.नि.वि., दमण,
No IP/DMN/2/5/2025-26/751 Dtd :- 28/08/2025

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM NILESHKUMAR GULABBHAI PATEL TO **PATEL NILESH GULABBHAI** AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM NAVINBHAI KALIABHAI PATEL TO **NAVINBHAI KALIYABHAI PATEL** AS PER DOCUMENTS

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM NIRANJANA HIMANSHU PATEL TO **NIRANJANA AKHKHUBHAI PATEL ADDRESS:-** FLAT NO. 101, VIJAY APARTMENT, AIRPORT ROAD, NEAR R.T.O OFFICE NANI DAMAN-396210.

एक्टिवा पर जा रहे युवकों पर पलटा कंटेनर, तीन युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत

कच्छ (ईएमएस) अंजार के खेडोई के निकट हुए एक हादसे में एक्टिवा सवार तीन युवकों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई यह घटना उस समय हुई जब तेज रफ्तार ट्रेलर से छूटकर कंटेनर एक्टिवा सवारों पर पलट गयो कंटेनर के नीचे दबने से तीनों युवकों का भर्ता बन गयो जानकारी के मुताबिक कच्छ जिले की अंजार तहसील के मुंद्रा खेडोई हाईवे पर एक्टिवा पर तीन युवक गुजर रहे थे तभी तेज रफ्तार में गुजर रहा ट्रेलर बेकाबू हो गया और उस पर रखा कंटेनर उछला एक्टिवा सवार युवकों पर पलट गयो हादसा इतना भयानक था कि एक्टिवा सवार तीन युवकों की कंटेनर के नीचे दबकर मौत हो गई। तीनों युवक कंटेनर के वज़न से कुचल गए और उनके शरीर क्षत-विक्षत हो गऐ घटना के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए आए। कंटेनर को हटाया और युवकों के शव बाहर निकाले गए। जिन्हें देख आसपास मौजूद लोगों के रोंगटे खड़े हो गऐ शुरुआती जाँच में तीन युवकों में से दो की पहचान हो गई है। एक का नाम नैतिक और दूसरे का अभिषेक बताया गया है। जबकि तीसरे युवक की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पता चला कि दुर्घटना इसलिए हुई क्योंकि कंटेनर को ठीक से लॉक नहीं किया गया था।

Date: 28/08/2025
Issued By: Daman Police

ADVISORY

A large number of gatherings are expected to attend the musical night show to be held at PWD Jetty, Chappli Sheri, Nani Daman (Nani Market) on 29/08/2025. In order to stream line the flow of vehicles and the movement of pedestrian, the following advisory is issued for the public in general, which may please be noted.

1. The road from bus stand, Nani Daman upto PWD Jetty, Nani Daman (Night Market) shall be restricted for all kind of vehicular movements.

   Similarly No vehicles shall be allowed to enter on to this road from any of the intersection on the road from Bus stand – Teen Batti upto Andhiya Sheri,

   No vehicles shall be allowed to enter this route from any intersection along the stretch from Bus Stand – Ghanchiwad – Jain Street – Mora Falia up to Samudra Narayan Temple, after the parking at Samudarnarayan Temple is full.

2. Public may use the Shree Machhi Mahajan sports complex, Nani Daman on Namopath as parking area for parking of the vehicles.

3. Pedestrians may access the internal by lanes on the road from PWD Jetty up to Bus stand to enter Venue.

4. Public travelling from Moti Daman, Somnath and Dabhel (Via Wad Ckowky) shall have Access to the Shree Machhi Mahajan Sports complex via Nani Daman bus stand -Dhobi Talav – Teen Batti – towards Jupiter distillery.

5. Public travelling from Somnath, Bhimpore, Dunetha (Via Mashal Chowk) shall have Access to the Shree Machhi Mahajan Sports complex via Nani Daman bus stand -Dhobi Talav – Teen Batti – towards Jupiter distillery.

6. The processions arriving for Ganpati Ji idol immersion will follow the route from Wad Chowky to Bhenslore, proceed straight to the Hyundai Showroom Junction (Char Rasta), and then turn left towards Devka.

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और 9 वर्षों का सफल कार्यकाल पूरा होने पर दीव जिले में विभिन्न सेवाकीय कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

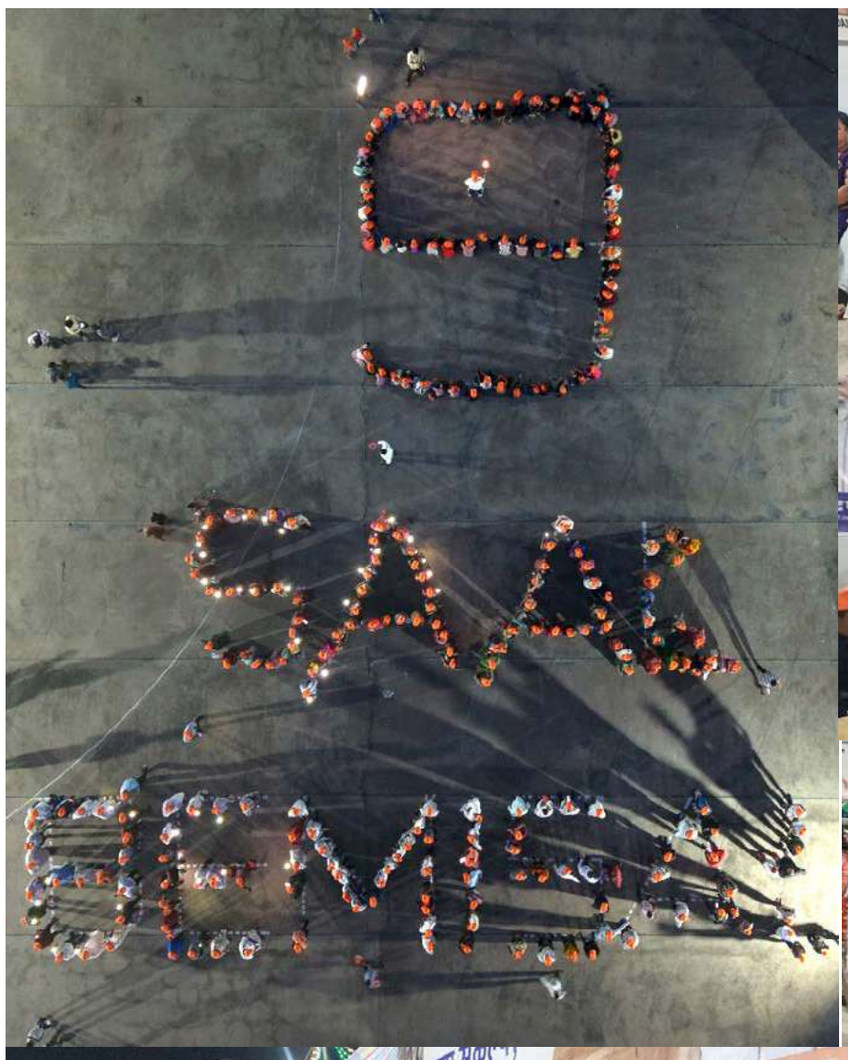

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन और 9 वर्षों के सफल कार्यकाल पूरा होने पर आज दीव जिले में जनप्रतिनिधियों, स्कूली विद्यार्थियों एवं आम जनता द्वारा विभिन्न सेवाकीय कार्यक्रमों का व्यापक तौर पर आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के द्वारा सभी ने प्रशासक के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में पिछले 9 वर्षों में दीव में हुई अभूतपूर्व उपलब्धियों एवं विकास का जश्न मनाते हुए प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रति अपना सम्मान और आभार प्रकट किया। इसके तहत स्वच्छता गतिविधियाँ, पेंटिंग, वृक्षारोपण, रक्तदान, मन्दिरों में आरती-पूजा, पंचायतों द्वारा श्रमिकों भाई-बहनों को किट वितरण, नन्हे बच्चों को फल, बिस्किट और मिठाई वितरण, पशुओं को चारा खिलाने, बीच कबड्डी आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दीव के बंदर चौक जेटी पर फूड स्टॉल लगाया गया। इस अवसर पर दीव के घोघला जेटी पर दीव नगरपालिका परिषद द्वारा आयोजित एक मुख्य कार्यक्रम में डीएमसी के सफाई कर्मियों को पुरस्कार और सुरक्षा किट वितरित किए गया। प्रशासक प्रफुल पटेल के सफल 9 वर्षों और इस दौरान हुई अकल्पनीय प्रगति के लिए दीव के नागरिकों ने अपने हाथों से पत्र लिखकर और ग्रीटिंग कार्ड बनाकर प्रशासक को धन्यवाद दिया और आभार एवं सम्मान प्रकट किया, जिन्हें प्रशासक प्रफुल पटेल को भेज दिया गया। साथ ही दीव के जन प्रतिनिधियों ने मेड इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल के महत्व को हस्तनिर्मित छोटी वस्तुएं बनाने वाले लोगों के साथ साझा किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। दीव के नागरिकों ने 9 साल बेमिसाल थीम की विशाल मानव श्रृंखला काजीमाम जेटी घोघला में तैयार की। इस अवसर पर दीव के जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को हितोपदेश पंचतंत्र की रोचक कहानी पुस्तकें वितरित कीं। साथ ही मलाला ऑडिटोरियम में गुजराती नाटक का दो दिवसीय मंचन भी किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने दीव के अपूर्व एवं सराहनीय विकास कार्यों के लिए प्रशासक महोदय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएँ दीं और 69 केक काटे, जिसमें एक विशाल केक भी था।

प्रशासक प्रफुल पटेल के 69वें जन्मदिन और 9 साल का सफलतम् कार्यकाल पूरा होने पर डीडीए ने महायज्ञ और महाप्रसाद का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल के 69वें जन्मदिन और संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक के रुप में 9 साल का सफलतम कार्यकाल पूरा होने पर दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन द्वारा डीडीए ग्राउंड पर भव्य महायज्ञ और महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के चेयरमैन लखम टंडेल की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत लेन नंबर 7 से दिलीपनगर ग्राउंड तक एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद 100 पंडितों के साथ डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल ने अपनी धर्मपत्नी के साथ प्रदेश की सुख-शांति के लिए महायज्ञ किया। इस अवसर पर डीडीए चेयरमैन लखम टंडेल ने कहा कि प्रशासक प्रफुल पटेल के अथक परिश्रम की वजह से संघ प्रदेश थ्रीडी में हर एक क्षेत्र में प्रगति हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और निफ्ट सहित अनेक सुविधाएं मिली। संघ प्रदेश थ्रीडी की पहचान पूरे देश में बन चुकी है। इस अवसर पर डीडीए के वाइस चेयरमैन प्रकाश टंडेल, वाइस चेयरमैन हरीश टंडेल,जनरल सेक्रेटरी कैलाश शर्मा, जॉइंट सेक्रेटरी अल्पेश उपाध्याय, ट्रेजरर अनोज टंडेल, सुधीर पटेल, उमेश मित्तल, दिनेश मित्तल, दिशांक टंडेल और डीएमएम की महिला मंडल के साथ अनेक सदस्यों ने उपस्थित रहकर महायज्ञ का लाभ लिया। इस दौरान आयोजित महाप्रसाद का हजारों लोगों ने लाभ लिया।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन एवं संघ प्रदेश में उनके कार्यकाल के 9 साल पूरे होने पर पॉलिकैब इंडिया लि. ने 500 एसटी-एससी महिलाओं को बांटी साडी

■ पॉलिकैब इंडिया लि. कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी ने सपत्नीक महिलाओं को साडी भेंट की ■ दमण महिला आत्मनिर्भर अभियान की संयोजक फाल्गुनी पटेल भी रही उपस्थित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल के 69वें जन्मदिन और संघ प्रदेश थ्रीडी में उनके कार्यकाल के सफलतम 9 वर्ष पूरा होने पर दमण की केबल एवं वायर निर्माता कंपनी पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड द्वारा 500 एसटी-एससी महिलाओं को साडी वितरित की गई। दमण जिला पंचायत प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में पॉलिकैब इंडिया लि. कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी ने सपत्नीक महिलाओं को साडी भेंट की। इस मौके पर दमण महिला आत्मनिर्भर अभियान की संयोजक फाल्गुनी पटेल भी उपस्थित रही। साडी पाकर एसटी-एससी महिलाएं काफी प्रसन्न दिखी और उन्होंने प्रशासक प्रफुल पटेल के दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना भी की।

दमण के सार्वजनिक विद्यालय में चेयरमैन जिग्नेश जोगी ने स्कूली बच्चों के साथ मनाया प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन और 9 साल का जश्न

■ काउंसिलर तमन्ना खोजा, नाइटिंगेल फाउंडेशन दमण की अध्यक्षा प्रतिभा स्मार्ट एवं विद्यालय के शिक्षक भी रहे उपस्थित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। दमण के सार्वजनिक विद्यालय में संस्था के चेयरमैन जिग्नेश जोगी के नेतृत्व में प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन और प्रशासक के रूप में 9 साल के सफल कार्यकाल का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन जिग्नेश जोगी, काउंसिलर तमन्ना खोजा, नाइटिंगेल फाउंडेशन दमण की अध्यक्षा प्रतिभा स्मार्ट एवं शिक्षकों तथा बच्चों की उपस्थिति में केक काटकर प्रशासक प्रफुल पटेल का जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने 69 बलून उडाये। 9 साल के दौरान हुए विभिन्न विकास प्रोजेक्टों पर आधारित बच्चों द्वारा बनाई गई शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई जो लोगों को काफी पसंद आई। रंगोली भी तैयार की गई थी। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था।

प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर महिला आत्मनिर्भर अभियान की कन्वीनर एवं भाजपा उपाध्यक्ष फाल्गुनी पटेल ने महिलाओं को दिए सिलाई मशीन

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया एवं दमण जिला भाजपा प्रमुख भरत पटेल की उपस्थिति में सीएसआर के तहत 24 महिलाओं को बांटी गई सिलाई मशीन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 28 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के जन्मदिन पर प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की उपस्थिति में महिला आत्मनिर्भर की कन्वीनर एवं भाजपा उपाध्यक्ष फाल्गुनी पटेल ने सीएसआर के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन वितरित किया। इस दौरान 24 महिलाओं को सिलाई मशीन दी गई। इस दौरान दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल भी उपस्थित रहे। इस सराहनीय पहल के लिए फाल्गुनी पटेल एवं सीएसआर संस्था का महिलाओं ने आभार प्रकट किया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)